

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर गुजरात सरकार और पतंजलि योग समिति के संयुक्त तत्वावधान में अहमदाबाद में आयोजित राज्य स्तर के सामुहिक योग निदर्शन कार्यक्रम में गुजरात के माननीय राज्यपाल श्री ओ० पी० कोहली जी का संबोधन।

- आज भारत वर्ष के साथ समग्र विश्व अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मना रहा है। भारतवासियों के लिए आज गौरव दिवस है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्रभाई मोदी जी के आग्रह पर योग के महत्व को मान्यता देते हुये संयुक्त राष्ट्र संघने २१ जून, २०१५ को “अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस” घोषित किया था तब से २१ जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है।
- योग—भारत का विश्व को अनूठा वरदान है। विश्व में सुख—शांति, एकता—भाईचारा दृढ, बनाने का केवल एक उत्तम मार्ग योग साधना है। इस मार्ग पर चलकर हम अपना तथा विश्व का कल्याण करते हुये वेद के आदेशानुसार “जीवम् शरद शतम्” – सो वर्ष तक निरोगी जीवन व्यतीत कर सकते हैं और ईश्वर के द्वारा निर्मित इस सुंदर, श्रेष्ठ सृष्टि के परिवेश में सुख—चैन के साथ आनंदित रह सकते हैं।

- योग आध्यात्मिक साधना का व्यवहारिक पक्ष है जिसका तात्पर्य आत्मा का परमात्मा के साथ मिलकर एकाकार होना है।
- प्राचीनकाल से ही हमें हमारे ऋषि—मुनिओं, मनीषीओं ने योगविद्या की मूल्यवान भेंट दी है। यह हमारा सौभाग्य है कि आज समग्र विश्व योगविद्या के प्रति आकर्षित हुआ है और योगविद्या से मिलनेवाले लाभ प्राप्त करने हेतु उत्साहित है।
- प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धति में योग का महत्व सर्वाधिक माना गया है। योग केवल शारीरिक क्रिया नहीं है। यह मन और शरीर दोनों को साधने और सन्तुलित रखने वाली क्रिया है। योग के सम्बन्ध में कहा गया है – “समत्वं योग उच्यते।” शरीर को मन के साथ जोड़,ने, मन को आत्मा के साथ जोड़,ने और आत्मा को परमात्मा के साथ जोड़,ने की विद्या योग विद्या है। योग से हमारे कार्यों में कौशल आता है, हमारे कार्य बेहतर तरीके से सम्पादित होते हैं – “योगः कर्मसु कौशलं।” आधुनिक जीवन शैली से पैदा होने वाले हमारे शारीरिक और मानसिक रोगों के उपचार की भी योग में अनोखी ताकत है। इन सभी कारणों से विश्वभर में लोगों को योग ने आकर्षित किया है।

- मुझे ज्ञात हुआ है के देश विभिन्न हिस्सों से पधारे योग साधकों ने योग निदर्शन में अद्भूत योग के प्रयोग करके नये विक्रम स्थापित किये हैं। मैं उन सभी का बहुत—बहुत अभिनंदन करता हूँ और आशा करता हूँ कि वे योग को अधिक से अधिक प्रचारित करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे।
- योग का एक आयाम इसमें निहित चिकित्सा की क्षमता है। देश—विदेश में अनेक लोग चिकित्सा हेतु योग का सहारा ले रहे हैं। आज की जीवनशैली अनेक प्रकार के रोगों और तनावों को जन्म देती है। योग द्वारा शारीरिक और मानसिक रोगों की चिकित्सा की जाती है। हम अपने प्राचीन ज्ञान की अमूल्य पूंजी को भूलते जा रहे हैं।
- अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के इस अवसर पर आज के इस भव्य समारोह में विश्व प्रसिद्ध योग ऋषि स्वामी रामदेव महाराज की विशेष उपस्थिती ने सभी को उत्साहित किया है, विशेषरूप से हमारे युवाओं को योग के प्रति जागरूक बनाने में यह समारोह मील का पत्थर सिद्ध होगा, ऐसा मुझे विश्वास है।
- आज के इस ऐतिहासिक क्षण पर मैं गुजरात सरकार, स्वामी रामदेव महाराज और पतंजलि योग समिति के योग साधको तथा राज्य के

नागरिकों—युवाओं और सभी सहयोगी संस्थाओं को बहुत—बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूँ। मेरा नागरिकों से अनुरोध है कि वे योग को अपने स्वस्थ जीवन के लिए महत्व प्रदान करें।

“शतम् जीवन शरदः। शतायुवै जिजीविषेत् शतम् समाः।”

धन्यवाद। जय हिन्द।